वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 134 | सोमवार 11 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सुरेश वाडेकर के सुरीले गीतों से सजी सुरमई रात: बोले...

भाग्यशाली हूं देश के गीतकारों ने चुनिंदा गाने मेरी झोली में डाले, उन्हें लेकर आज तक जी रहा हूं

जयपुर. कासं

सुरमई रात, फिजा में मधुरता घोलते सुरीले गीत, उन्हें सुनकर श्रोताओं के खिले हुए चेहरे। कुछ ऐसा ही खूबसूरत नजारा जवाहर कला केन्द्र में देखने को मिला। मौका था केन्द्र की ओर से कला संसार मधुरम के तहत आयोजित सुरेश वाडेकर म्यूजिकल नाइट का। इसमें सुरों के मृदुल साधक पद्मश्री अलंकृत सुरेश वाडेकर ने अपने मशहूर गीतों से समां बांधा। साहित्य, संगीत और सिनेमा की तर्ज पर मनाए जा रहे सितंबर स्पंदन में सुरेश वाडेकर की प्रस्तुति ने ऐसा सुनहरा अध्याय लिखा है, जिसकी यादें जयपुरवासियों के दिलों में हमेशा रहेगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के नामचीन गीतकारों और म्यूजिक डायरेक्टर्स ने मेरी झोली में चुनिंदा गीत डाले है। उन्हें लेकर ही मैं आज तक जी रहा हूं। आप लोगों का प्यार इस जीवन को खास बना देता है। ढलती शाम के साथ ही श्रोता मध्यवर्ती में जुटने लगे। सभी के दिलों में बेकरारी थी सुरों के सरताज सुरेश वाडेकर को सुनने की। तालियों की गड़गड़ाहट के साथ श्रोताओं ने मंच पर वाडेकर का स्वागत किया। सुरेश वाडकर ने 'केसरिया बालम' से शुरूआत कर श्रोताओं को राजस्थानी रंग में रंग दिया। इसके बाद चला फिल्मी तरानों का सिलसिला, जिन्हें दिल थामकर श्रोता सुनते रहे। 'और क्या एहद-ए-वफा होते हैं लोग मिलते हैं जुदा होते हैं', 'सुरमई शाम इस तरह आए', 'और इस दिल में क्या रखा है' जैसे संजीदा गीतों पर उन्होंने तालियां बंटोरी। 'लगी आज सावन की फिर वो झड़ी है' गीत ने सावन की सुंदरता का एहसास श्रोताओं को करवाया। फिर प्रस्तुति आगे बढ़ी 'सीने में जलन आंखों में तूफान सा क्यों है', 'ऐ जिन्दगी गले लगा ले' जैसे गीतों के साथ। इसके बाद सुरेश वाडेकर और सीमा मिश्रा की जोड़ी ने महफिल में चार चांद लगाए। 'ओ प्रिया प्रिया', 'मैं देर करता नहीं', 'मेघा रे मेघा रे' जैसे गीतों के साथ उन्होंने वाहवाही लूटी। इसके बाद वाडेकर ने 'सांझ ढले गगन तले हम कितने एकाकी' गाकर विरह के भाव जाहिर किए तो 'राम तेरी गंगा मैली हो गई' सुनकर श्रोता भावुक हो उठे। फिर वाडेकर और सीमा मिश्रा की जोड़ी ने 'ये आंखें देखकर', 'हुस्न पहाड़ों का', 'मेरी किस्मत में तू नहीं शायद', 'तेरे नैना मेरे नैनों से' गीत गाकर दाद बटोरी। श्रोताओं को सुरेश वाडकर की आवाज में 'सपने में मिलती है', 'चप्पा-चप्पा चरखा चले' आदि गीत सुनने को मिले। दिनेश कुमार गोपी व रवि तिलवानी ने की-बोर्ड पर, दिलीप सोलंकी ने ऑक्टो पैड़ पर, सुरेन्द्र कुमार ने ढोलक, सावन डांगी ने तबला और डैनी डेविड, कॉर्लटन ने गिटार तो रशीद खान ने सैक्सोफोन पर संगत की। कार्यक्रम में कला एवं संस्कृति मंत्री बीडी कल्ला मौजूद रहे।

गीत में सबसे पहले बोल, इसके बाद गायक की भूमिका

वाडेकर ने कहा कि कला इंसान को परिपूर्ण बनाती है, कलाकार को अपने आप को निखारने के लिए समय देना चाहिए। गुरु के सानिध्य में रहकर निरंतर प्रयास करने से ही यह संभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि गीत में सबसे पहले उसके बोल श्रोता के दिल को छूते है उसके बाद गायक की भूमिका शुरू होती है, श्रोताओं का प्यार गीत को सफल बनाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान मुख्यतः जयपुर से उनका बचपन से जुड़ाव है, यहां की कचौरी उन्हें बहुत पसंद है और यहां के मंदिरों में वे जाते रहे हैं। उन्होंने बॉलीवुड से जुड़े पुराने दौर के किस्से भी सुनाए। उन्होंने कला और कलाकारों के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए प्रदेश के कला एवं संस्कृति विभाग और जवाहर कला केन्द्र के प्रयासों को सराहा।

आरपीएल फिनाले में बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह करेंगे परफॉर्म

सोनम बाजवा और किंग यूनाइटेड ग्रुप की डांस परफॉर्मेंस भी होगी खास, एसएमएस में होगा आयोजन

जयपुर. कासं। राजस्थान प्रीमियर लीग का फिनाले सोमवार को होगा। फाइनल मैच से पहले मीका सिंह अपनी स्टाइल में सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगे। इस दौरान एक्ट्रेस सोनम बाजवा और किंग यूनाइटेड ग्रुप का लाइव डांस परफॉर्मेंस भी खास रहेगा। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले जा रहे आरपीएल लीग में अब खिताबी मुकाबले में जयपुर इंडियंस और जोधपुर सनराइजर्स आमने-सामने होगी । आरपीएल फाइनल मैच में मीका सिंह और सोनम बाजवा पंजाबी एक्ट्रेस शाम 6 .30 बजे जयपुर के खेल प्रेमियों के लिए शाम को रंगीन करेंगे। शो को होस्ट नामचीन एंकर करिश्मा कोटक करेंगी। अभिनेत्री जैकलीन फनार्डीज ने राजस्थान प्रीमियर लीग की ग्रांड ओपनिंग सेरेमनी में गायिका कनिका कपूर के साथ परफॉर्मेंस दिया। वही जाने माने सिंगर रविंदर उपाध्याय ने आरपीएल की थीम पर बने गीत को बेहतरीन तरीके से पेश किया है।

जयपुर प्लोग रन में-क्लीन जयपुर फिट जयपुर का सन्देश

जयपुर. शाबाश इंडिया

एस के वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट और जयपुर रनर्स के संयुक्त तत्वावधान में प्लॉगमैन ऑफ इंडिया के नाम से मशहूर रिपु दमन के साथ आज जयपुर वासियों ने प्लॉगिंग करते हुए जयपुर की सड़को से बड़ी मात्रा में कचरा उठाया। एस के वर्ल्ड हेल्थ एन्ड वैलनेस फेस्ट के को फाउंडर मुकेश मिश्रा ने कहा की महात्मा बुद्ध कहते थे कि अपने शरीर को स्वस्थ रखना भी एक कर्तव्य है। अगर आपका शरीर स्वस्थ नहीं होगा, तो आप अपने मन को अच्छा और साफ नहीं रख पाएंगे। यानी सेहतमंद शरीर में ही साफ मन का वास होता है। जयपुर रनर्स क्लब की अध्यक्ष डॉक्टर साधना आर्या ने बताया की प्लोग रन की शुरूआत हवामहल से हुई जहां सभी को ग्लव्स और थैलियां दी गयी और रिपु दमन ने प्लोग करने की टेक्निक समझायी जिसमें एक्सरसाइज के साथ कचरा उठाने के तरीके बताये गए , तीन किमी के प्लोग रन में पार्षद रजत विश्नोई, एस के वर्ल्ड हेल्थ एन्ड वैलनेस फेस्ट के को फाउंडर मुकेश मिश्रा, जयपुर रनर्स के को फाउंडर रवि गोयनका, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा सहित जयपुर रनर्स क्लब के मेंबर्स ने शिरकत की और शहर को स्वच्छ रखने की शपथ ली । एकत्रित कचरे को कचरा उठाने वाले वाहन में रखा । प्लॉगमैन ऑफ इंडिया के नाम से मशहूर रिपु दमन ने बताया की **Plogging** एक तरह की **Jogging** होती है जिसमे रास्ते में पड़े कचरे को उठाते जाते हैं , **Plogging** को वर्ष 2016 में स्वीडन के निवासी Erik Ahlstrom (एरिक आलस्ट्रोम) ने शुरू किया था । Plogging का मकसद लोगों को सेहत के प्रति जागरुक करना और पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति दिलाना है । Plogging स्वीडिश भाषा के दो प्लोका और (जॉग) से मिलकर बना है। Plocka का अर्थ होता है सामान उठाना और Jog करने का मतबल है दौड़ना यानी आप इसे 'एक पंथ और दो काज' कह सकते हैं। दौड़ने से जहां आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, वहीं सड़क पर पड़े कचरे को उठाने से पर्यावरण स्वच्छ बनेगा ।

काया और माया संसार मे बड़ी पुण्यावानी से मनुष्य को प्राप्त होती है: महासती धर्मप्रभा

सुनील चापलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। काया और माया संसार मे बड़ी पुण्यावानी से मनुष्य को प्राप्त होती है। रविवार साहूकार पेठ जैन भवन के श्री मरूधर केसरी दरबार मे विषेश धर्मसभा मे महासती धर्मप्रभा ने सैकड़ों श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेंश देते हुए कहा कि काया और माया का कोई भरोसा नहीं है इस दुनिया में चाहे करोड़पति हो या रोड़पति सबके जाने का तरीका एक जैसा है फिर किस बात का इंसान गुमान और अभिमान करता है। माया और साथ नहीं जाने वाली है। मनुष्य जीवन भर शरीर,धन,रूप, रंग,गहने,जमीन और जायदाद के प्रति आसक्त होकर संसारी माया और काया को संसार मे स्थाई आवास समझकर अपनी अनन्त पुण्यावानी को यूहीं गवा रहा है। मनुष्य शरीर को सोने एवं चांदी से कितना भी सजाले लेकिन अंत समय शरीर मिट्टी मे ही मिलने वाला है। न जाने कब हमारी काया हमारा साथ छोड़ देवे और माया यही की यही पर धरी रह जाए उससे पहले

मनुष्य अपनी माया का संसार में सदउपयोग कर लेता है। तो वह अपनी पुण्यावानी को और बढ़ाकर अपनी इस आत्मा को संसार के आवागम से छुटाकारा दिला सकता है। काया और माया संसार में पुण्यावानी के संचय से प्राप्त होती है श्री एस.एस. जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया की धर्मसभा मे अनेक उपनगरों पधारे मेहमानो का साहूकार पेठ श्रीसंघ एस.एस जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजित राज कोठारी,सुरेश डूगरवाल,हस्तीमल खटोड़,बादलचन्द कोठारी, जितेन्द्र भंडारी,पदमचन्द ललवानी, माणक चन्द खाबिया, शांतिलाल दरड़ा,सुभाष कांकलिया, महावीर कोठारी, शम्भूसिंह कावड़िया,अशोक सिसोदिया,तारेश बेताला दिनेश नाहर,संजय खाबिया आदि सभी पदाधिकारियों की श्रध्दांलूओ के साथ उपस्थिति रही। इसदौरान विलीवाक्म ज्ञानशाला के नन्हें मुन्हे बच्चों के द्वारा बच्चों की अदालत नाटिका का मनमोहक मंचन किया गया। सभी बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुये महावीर सिसोदिया ने कहा कि बच्चे जैसा देखतेवैसा ही सिखते है। सुसंस्कार बच्चों को घर से ही प्राप्त होते है। सभी बच्चो को पारितोषिक देकर श्रीसंघ के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया।

आचार्य ज्ञानसागर युवा मंच द्वारा अतिशय क्षेत्र रैवासा में अभिषेक किए

सीकर/रैवासा. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र रैवासा जैन मंदिर में रविवार को आचार्य ज्ञानसागर युवा मंच द्वारा बड़ी प्रक्षाल की गई , जिसमें मंदिर जी की साफ - सफाई मंच व समाज के अन्य सदस्यों द्वारा की गई। उल्लेखनीय है कि मंच के सदस्यों की पिछले 26 वर्षों से निरंतर इस कार्य में बढ़ चढ़कर सहभागिता रहती है। संजय बड़जात्या ने बताया कि रविवार को बड़ी प्रक्षाल में संजय बड़जात्या, सिद्धार्थ रारा, जीवन बड़जात्या, सुनील बड़जात्या, विकास लुहाड़िया, अशोक झांझरी, प्रवीण झांझरी, देवेन्द्र छाबड़ा, मनोज बज, अनुभव सेठी, गजेन्द्र ठोलिया, अनिल छाबड़ा , प्रदीप पाटनी , दीपक छाबड़ा, अजय सेठी, सुरेश सेठी, अंकुर छाबड़ा , विदेह दोषी , साहिल छाबड़ा, मनीष रारा, निखिल अजमेरा, रोबिन छाबड़ा , आवेश छाबड़ा, चिरायु गंगवाल, निशांत गंगवाल, अंकित छाबड़ा , कार्तिक पहाड़िया, दीपक काला, अंशु काला, पदम सेठी, विनोद दीवान, अनिल दीवान, संजय पाटोदी, पुनीत छाबड़ा, विकास अजमेरा, प्रदीप लालास , हरीश बड़जात्या, प्रियंक गंगवाल ने सहयोग दिया। रैवासा कमेटी महामंत्री सुनील बड़जात्या ने बताया कि रविवार को शांतिधारा का सौभाग्य जीवनलाल सुशील कुमार सुनील कुमार बड़जात्या व सुरेश कुमार रितिक कुमार सेठी मिरण वाले परिवार को मिला । समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि रविवार को श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर सहित शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में भी बड़ी प्रक्षाल हुई । जैन धर्म अनुसार भाद्रपद माह बहुत महत्वपूर्ण होता है । इस माह में जैन समाज के सदस्यगण प्रत्येक जैन मंदिर की बड़ी प्रक्षाल करते हैं , इस दौरान मंदिर की संपूर्ण साफ - सफाई और मंदिर जी में विराजित तीर्थंकर प्रभु के अभिषेक व विशेष शांतिधारा की जाती है।

अभा नामदेव छीपा, टांक दर्जी समाज की महापंचायत 24 को

मानसरोवर, वीटी रोड मैदान में होगा आयोजन। समाज के कल्याण से जुड़ी विभिन्न मांगों पर होगा मंथन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय नामदेव छीपा, टांक दर्जी समाज की ओर से 24 सितंबर रविवार को मानसरोवर स्थित वीटी रोड मैदान में महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान प्रान्तीय श्री नामदेव छीपा समाज महासभा समिति के प्रांतीय अध्यक्ष और महापंचायत के मुख्य आयोजक अशोक गोठरवाल ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि आगामी महापंचायत में प्रदेश में वस्त्र रंगाई, छपाई, सिलाई कला बोर्ड की स्थापना करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। इसके अलावा देवउठनी एकादशी पर संत नामदेव महाराज की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना, ओबीसी की जातिगत जनगणना कर जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने, नामदेव समाज के कल्याण हेतु रंगाई,छपाई एवं सिलाई करने वाले व्यक्तियों को ऑटिज्म कार्ड के साथ सरकारी लाभ में हिस्सा दिए जाने की मांग भी राज्य सरकार के सामने प्रमुखता से रखी जाएगी। राजनीतिक नियुक्तियों में नामदेव छीपा समाज की भूमिका का निर्वहन करना, पूरे भारतवर्ष में नामदेव समाज की जनसंख्या 12 करोड़ से ज्यादा है लेकिन राजनीतिक दलों में समाज की भूमिका न के बराबर है इसलिए समाज राजनीतिक पार्टियों में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर समाज को प्रतिनिधित्व देने, युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रम के तहत सिलाई, छपाई और रंगाई का कौशल प्रशिक्षण दिए जाने, हस्तकला संरक्षण बोर्ड की स्थापना करने और लोकसभा तथा विधानसभा में समाज को अधिकतम प्रतिनिधित्व देने की मांग भी प्रदेश सरकार से जाएगी। समाज के सर्वांगीण कल्याण के लिए जयपुर में शैक्षणिक कार्य हेतु 50 बीघा एवं प्रत्येक जिले में पांच-पांच बीघा भूमि का रियायती दरों पर आवंटन करने की मांग भी प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। प्रेस कांफ्रेंस में अखिल भारतीय नामदेव टाँक क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग रुणवाल, महापंचायत के राष्ट्रीय संयोजक नीरज मोनू ऐंचारा, प्रचार मंत्री रमेश छीपा, सुरेश टांक (बाटू) अध्यक्ष विठ्ठल नामदेव फाउंडेशन, कुंज बिहारी तोणगरिया और राम रतन धनोपिया भी उपस्थित रहे।

मुक्तानंद नगर में चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुक्तानंद नगर विकास समिति के तत्वावधान में आज दिनांक 10 सितंबर 2023 रविवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का 220 लोगों ने लाभ लिया । शिविर का शुभारंभ डॉ श्रीमती अर्चना शर्मा अध्यक्ष राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड के सानिध्य हुआ। निशुल्क चिकित्सा शिविर के संयोजक एडवोकेट विनोद पाटनी, मानक चंद बडजात्या, मुकेश गुप्ता एवं श्रीमती पिंकी सेठी थे । चिकित्सा शिविर के मुख्य अतिथि राजमल जैन सेवानिवृत्ति मुख्य अभियंता एवं कैलाश गुप्ता सेवानिवृत्ति अमीन द्वारा आए हुए सभी डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ का माला पहनाकर स्वागत किया । शिविर में विधायक कालीचरण सर्राफ, डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत भी उपस्थित थे। विकास समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा उपाध्यक्ष राजेश शर्मा द्वारा सभी का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विकास समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगन रघुवीर अग्रवाल, कमलेश गुप्ता, बृज किशोर अग्रवाल, वेद प्रकाश दाधीच, सचिव नवरत्न शर्मा, श्रीमती मंजू जैन उपाध्यक्ष, श्रीमती अंजना शर्मा उपस्थित रही।

वेद ज्ञान

अहिंसा का अर्थ प्रेम

अहिंसा का अर्थ प्रेम होता है। किसी को न सताना और न मारना और प्राणिमात्र को दुख न देना ही अहिंसा है। अहिंसा भी दो प्रकार की होती है- स्थूल और सूक्ष्म। स्थूल हिंसा का आशय है कि किसी को मार डालना, अंग-भंग कर देना, शोषण और अपमानित करना, व्यंग्य व ताने मारना और शस्त्रों का प्रयोग करना आदि। सूक्ष्म हिंसा का आशय है-मन में किसी के प्रति दुर्भाव रखना, घृणा करना, राग-द्वेष रखना और किसी को मानसिक रूप से सताना। मन में सूक्ष्म हिंसा भरी रहना, जो जरा-सी चिंगारी देखते ही बारूद की भांति भभक उठती है। हिंसा में एक भाव सदैव मन में भरा रखना- 'मैं' और मेरी मर्जी। इसी 'मैं' के कारण सर्वत्र संघर्ष हो रहा है। समाज, परिवार बर्बाद हो रहे हैं। सर्वत्र हिंसा का दावानल सुलग रहा है। इसी स्थिति से त्राण पाने का उपाय है-अहिंसा। योग की आठ सीढ़ियों में प्रथम सीढ़ी अहिंसा है। हम परिवार में रहते हैं। समाज में, व्यक्तिगत जीवन में, पारिवारिक जीवन में हमारा सैकड़ों लोगों से संपर्क होता है। व्यवहार में अहिंसा की साधना का श्रीगणेश यहीं से किया जा सकता है। घर-परिवार, समाज, पड़ोस में, जहां-कहीं भी किसी व्यक्ति के संपर्क में हम आएं तो लोगों से प्रेम से मिलें और प्रेम का व्यवहार करें। यह सत्य है कि प्रेम का मार्ग जटिल होता है। उसमें त्याग करना होता है, बलिदान करना पड़ेगा, निजी स्वार्थ छोड़ना होगा। उसमें सहनशीलता, उदारता, क्षमा, करुणा, दया और नम्रता जैसे सद्गुणों का विकास करना होता है। यानी प्रेम को जीवन में उतारना ही अहिंसा का पाठ है। यदि हमारे हृदय में प्रेम भर जाए, फिर तो हिंसा अपने आप चली जाएगी। किसी को मारने की, सताने की, कष्ट पहुंचाने की भावना तभी बढ़ती-पनपती है, जब हम उसे पराया समझने लगते हैं। क्या अपनों को कोई सताता या कष्ट पहुंचाता है। यदि हम सभी लोगों को अपना स्वीकार कर लें तो अहिंसा की साधना सफल हो जाएगी। भारतीय विचारधारा में सभी को अपना मानने की, अपना बनाने की भावना शुरू से ही बलवती होती आई है-ईश आवास यह सारा जगत। फिर तो समस्त विश्व एक कुटुंब बन जाएगा। मेरा-तेरा का कोई भाव नहीं।

संपादकीय

अधिक सतर्कता और मानवीय मूल्यों की परवाह करने की जरूरत

जब भी कोई फरियादी अदालत में पहुंचता है, तो आमतौर पर उसका प्रयास विपक्षी को हराने और सबक सिखाने का होता है। इस तरह वह कई झूठे आरोप भी लगाता है। वैवाहिक विवादों में यह प्रवृत्ति कुछ अधिक दिखाई देती है। पति और पत्नी के बीच का मनमुटाव और रोज का कलह जब असहनीय हो जाता है और संबंध विच्छेद के लिए महिला या उसके परिजन अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं, तो अक्सर उसमें दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण, हिंसक व्यवहार, क्रूरता, विवाहेतर संबंध आदि के आरोप लगाए जाते हैं। चूंकि कानून की इन धाराओं में पुरुषों को कड़ी सजा का प्रावधान है, दहेज उत्पीड़न में पुरुष के परिजनों को भी सजा दी जा सकती है, इसलिए इन धाराओं का जानबूझ कर उपयोग करने का प्रयास किया जाता है। मगर जब कोई महिला पति पर अपनी ही बच्ची के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा कर पाक्सो कानून के तहत उसे कठोर सजा दिलाने की कोशिश करती देखी जाए, तो निस्संदेह

यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐसे ही एक मामले में सुनवाई करते हुए, जीत हासिल करने के मकसद से ऐसे गंभीर आरोप लगाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर आपत्ति जताई। एक महिला ने तलाक की अर्जी के साथ अपने पति पर मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न, क्रूरता, दहेज की मांग और बेटी के निजी अंगों को अनुचित तरीके से छूने आदि का आरोप लगाते हुए दो प्राथमिकियां दर्ज कराई थी। मगर अदालत ने जांच में पाया कि महिला ने केवल जीतने और पति को कठोर सजा दिलाने के मकसद से यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण यानी पाक्सो कानून का सहारा लेना चाहा था। चूंकि इस कानून के तहत आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने का प्रावधान है, इसलिए जाहिर है, प्रतिशोध में यह आरोप लगाया गया। अदालत ने इस आरोप को खारिज कर दिया। यह अकेला मामला नहीं है, जब वैवाहिक विवादों अर कटुता के चलते बच्चों को भी अदालत में घसीट लिया जाता है। पति और पत्नी अपने अहंकार और नाहक नाक ऊंची रखने की होड़ में यह भूल जाते हैं कि इससे बच्चों के मन और जीवन पर क्या असर पड़ेगा। विचित्र स्थिति तब हो जाती है, जब किसी बच्ची की तरफ से उसके पिता पर ही यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाए। इस बढ़ती प्रवृत्ति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की चिंता इस बात का संकेत है कि वैवाहिक विवादों में निर्णय देते समय अधिक सतर्कता और मानवीय मूल्यों की परवाह की जरूरत होती है। दहेज प्रताड़ना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर जब दहेज निषेध कानून बनाया गया था, तब उसे भी काफी कठोर रखा गया था। मगर बाद में अदालतों ने पाया कि कई महिलाएं इस कानून का दुरुपयोग कर रही हैं, तो अदालतों ने इस मामले में सुनवाई को लेकर सतर्कता बरतनी शुरू कर दी। ऐसा नहीं माना जा सकता कि दहेज निषेध कानून बनने की वजह से देश में दहेज लेने की प्रवृत्ति कम हुई है या दहेज प्रताड़ना के मामले रुक गए हैं, मगर इसे हथियार बना कर एक पक्ष को सबक सिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति के मद्देनजर अदालतों ने ऐसे मामलों की सुनवाई में सावधानी बरतनी शुरू कर दी।

परिदृश्य

विचार और विवाद

किसी व्यक्ति की धारणा, आस्था या फिर मान्यता उसका निजी मामला हो सकता है, लेकिन अगर उसकी वजह से कोई भ्रम फैलता, गलत धारणाओं के विकास की भूमिका बनती है तो उसके औचित्य पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। खासकर विज्ञान के क्षेत्र से जुड़ा और अहम पद पर आसीन व्यक्ति अगर वास्तविकताओं की व्याख्या करने के बजाय ऐसी बात कहता है, जिसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है, तो यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना है।पिछले दिनों समूचे हिमाचल प्रदेश को भारी बारिश और भूस्खलन की वजह से एक बड़ी त्रासदी का सामना करना पड़ा। बड़े पैमाने पर सड़कें तबाह हो गईं, दो सौ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, बहुत सारे घर जमींदोज हो गए। अब भी वहां हालात सामान्य नहीं हो सके हैं। भारी तबाही के बाद अब जाकर उसके कारणों पर लोगों का ध्यान जाना शुरू हुआ है और उस पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में हिमाचल प्रदेश के मंडी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी आइआइटी के निदेशक का एक विचित्र बयान आया है कि राज्य के लोग जानवरों को मार कर मांस खाते हैं, इसी वजह से वहां प्राकृतिक त्रासदी आई है। हैरानी की बात है कि यह बात उन्होंने संस्थान के सभागार में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। यह बेहद अफसोसनाक है कि जिस संस्थान को देश और दुनिया भर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए प्रतिमान गढ़ने के लिए जाना जाता रहा है, उसे नेतृत्व देने वाले व्यक्ति के रूप में ऐसे विचार को वे न केवल संस्थान में जाहिर कर रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों को यह मानने के लिए जोर भी दे रहे हैं। जबकि हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ महीनों में हुई तबाही के कारणों की खोज करने और भविष्य में उससे बचने के उपाय निकालने के मामले में आइआइटी की एक अहम भूमिका हो सकती है। मगर इस महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी को निभाने के लिए विद्यार्थियों को कोई दिशा देने के बजाय निदेशक ने तबाही के लिए ऐसा कारण दिया है, जिसके सामने आने के बाद उसे एक अजीबोगरीब बयान के रूप में देखा जा रहा है। यह विज्ञान की उपलब्धियां ही रही हैं, जिनके जरिए आज प्रकृति के गूढ़ रहस्यों को खोज निकाला गया है। किसी भी आपदा की स्थिति में समर्पण करने के बजाय उसके कारणों की पहचान की जाती है, उससे निपटने के उपाय निकाले जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में इस साल की भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं के बाद नदियों के उफनने और उसकी तेज धार की वजह से सड़कें तबाह होने से लेकर पहाड़ धंसने से व्यापक पैमाने पर जानमाल के नुकसान के कारण स्पष्ट रहे हैं। राज्य भर में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, पहाड़ काट कर चौड़ी सड़कें बनाना, नदियों के रास्ते में होटलों और पुलों का निर्माण आदि कुछ ऐसे वजहें रही हैं, जो सामान्य बारिश को भी आपदा की शक्ल देने के लिए काफी हैं। इसमें और भी जिम्मेदार कारकों की खोज करके उसका समाधान निकालने की जरूरत है। लेकिन तबाही के लिए जानवरों का मांस खाने को जिम्मेदार बताया जाना एक भ्रामक बयान है। विडंबना है कि मंडी के आइआइटी के निदेशक पहले भी अपने भूत-प्रेत या अंधविश्वास से जुड़े कुछ अन्य विचारों के लिए विवादों में रहे हैं।

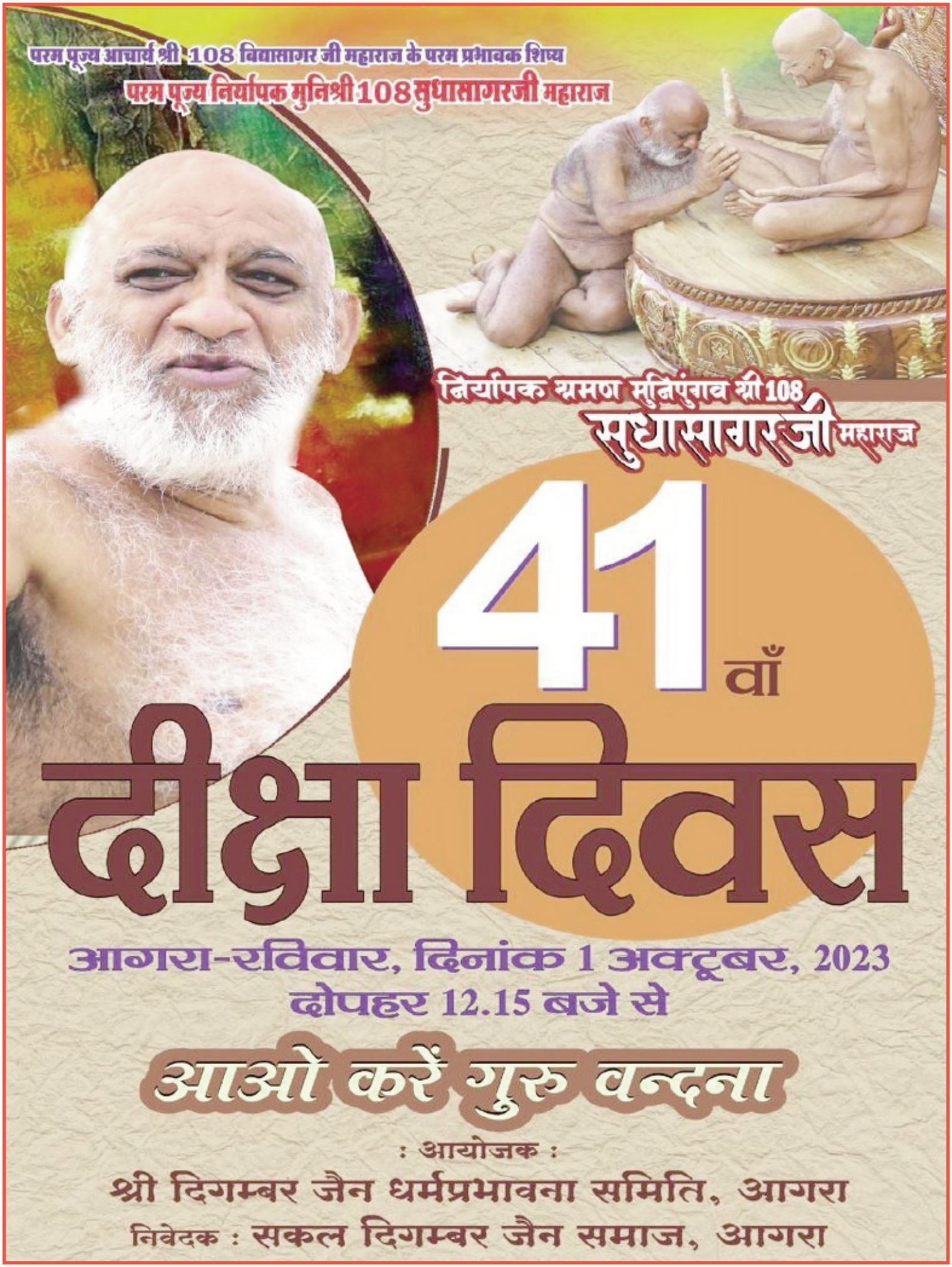
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

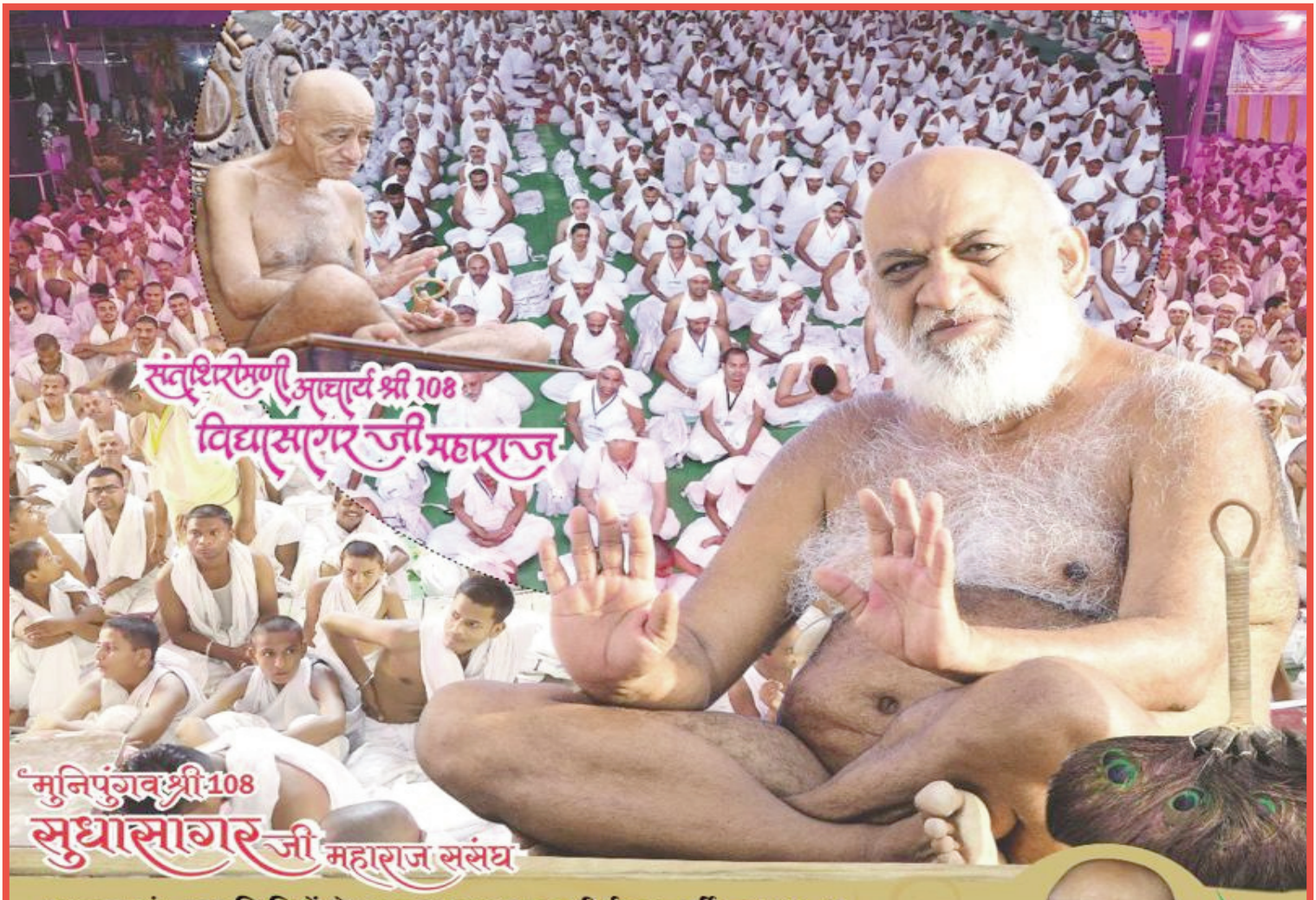

श्रावक संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
के मंगल सानिध्य में आगरा की पुण्य धरा पर

30 वां श्रावक शिविर संस्कार

आगरा-दिनांक 19 से 29 सितम्बर 2023 तक

- शिविर आयोजक स्थल-
श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज परिसर, हरीपर्वत, आगरा (उ.प्र.)

शिविर पुण्यार्जक

श्रावक श्रेष्ठी श्री निर्मल-उर्मिला, वीरेंद्र-उषा रेखा
रजत-आयुषी, रौनक-अदिति,
विभोर विन्नी हर्षिल द्रव्या जियांशी मोठ्या परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री हीरालाल-वीना,
दिवाय-कोमल, उत्कर्ष दिविषा काव्या
अर्हम बैनाडा परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री राजेश-रजनी,
निखिल-पूजा, शोभित-आरती,
कनिष्का हनीशा, आध्या सेठी परिवार

श्रावक संस्कार शिविर

निर्देशक
हुकम जैन 'काका'
94141-84618

निर्देशक
दिनेश गंगवाल
93145-07802

सुधा अमृत वर्षायोग-2023,आगरा

जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज का
41वां मुनि दीक्षा दिवस समारोह अश्विन वदी तृतीया
दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12:15 से मनाया जायेगा।

शिविर आयोजक:- श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा (उ.प्र.)

प्रातःकालीन भ्रमण एवं राम देवरा पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेडियम के चमकीले हैंड बैंड भेंट

उदयपुर. शाबाश इंडिया

10 सितंबर 2023 को बंधुत्व से प्रेम को बढ़ाने के उद्देश्य से जैन सोशल ग्रुप अनंता का प्रातः कालीन भ्रमण राजीव गांधी पार्क मे आयोजित हुआ जिसमें सभी दंपती सदस्यों को व्यायाम करवाया गया। इसी दिन जैन सोशल ग्रुप अनंता ने रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों को रेडियम बैंड तथा बिस्किट्स वितरित किए। अध्यक्ष डॉ. शिल्पा नाहर ने बताया की सर्वधर्म के प्रति समान सदभावना रखना हमारा प्रमुख कर्तव्य है ।सचिव राजेश सिसोदिया ने पैदल यात्रियों की रोड पर चलती तेज गति से सुरक्षा हेतु रेडियम बेंड को आवश्यक बताया क्योंकि ये चमकीले बैंड रात्री में दूरी से गाड़ी चालक को नजर आ सकते है जो कि पैदल यात्री को एक्सीडेंट से बचा सकता है। संस्थापक अध्यक्ष मोहन बोहरा ने जेएसजी अनंता प्रिंट किए हुए रेडियम बैंड को यात्रियों को पहनाकर शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर गजेंद्र कांता जोधावत, विनोद सविता पगारिया, राजकुमार वंदना बाबेल, महेश नाहर,अरुण संगीता कटारिया, अनिल सुनीता हिंगड, नितिन सोनिका सिंघवी, लोकेश जी रेणु तलेसरा, शशिकांत जैन, पायनाम चंद कमला तलेटिया, राजेंद्र ओसवाल आदि उपस्थित थे ।

सौंदर्य प्रतियोगिता ''ब्यूटी ऑफ राजस्थान'' सीजन 1 का ऑडिशन संपन्न

ज्यूरी ने फिनाले के लिए टॉप-50 प्रतियोगियों को किया सेलेक्ट

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालीराम एण्ड सन्स एंटरटेनमेंट की ओर से रविवार को मालवीय नगर स्थित होटल हयात में सौंदर्य प्रतियोगिता ' ब्यूटी ऑफ राजस्थान ' सीजन 1 के लिए ऑडिशन प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि वारियर गर्ल लक्ष्मी अग्रवाल और एक्टर-मॉडल दिनेश मोहन थे। मालीराम एण्ड सन्स एंटरटेनमेंट के फाउंडर एंड डायरेक्टर गौरव योगी ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान ऑडिशन में रैंप वॉक के साथ इंट्रोडक्शन राउंड भी हुआ। प्रतियोगिता की ज्यूरी मधु भाटी और सुगंधा शर्मा ने करीब एक हजार प्रतियोगियों में से टॉप 50 प्रतिभागियों को फिनाले के लिए सेलेक्ट किया। योगी ने बताया कि टॉप 50 प्रतिभागियों को दो म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज में काम करने का अवसर मिलेगा और साथ ही नेशनल और इंटरनेशनल फोटोशूट करवाया जाएगा। प्रतियोगिता के ऑर्गनाइजर कपिल शर्मा, रविकान्त शर्मा और प्रेरणा मंडलोई ने बताया कि टॉप 20 पार्टीसीपेंट को फोटो शूट के साथ ग्रूमिंग डांस, एक्टिंग, योगा, मैडिटेशन, पर्सनालिटी डेवलपमेंट और सेल्फ डिफेंस की क्लासेज भी दी जाएगी।

राजस्थान रिजन का चतुर्थ अभिकर्ता महासम्मेलन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। इंडियन फेडरेशन ऑफ जनरल इंश्योरेंस एजेंट्स एसोसिएशन (IFGIAA) राजस्थान रिजन का चतुर्थ अभिकर्ता महासम्मेलन आज शनिवार 9 सितम्बर को नारायणा अस्पताल, जयपुर के सहयोग से बिरला ऑडिटोरियम, जयपुर मे आयोजित किया गया।IFGIAA राजस्थान रिजन के अध्यक्ष रविन्द्र गौड़ ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि IFGIAA के संस्थापक अध्यक्ष बसवराज , विशिष्ट अतिथि के सी लोकेश (सेक्टरेरी जनरल एवं भारत सरकार की GI कॉन्सिल मेंबर) बैंगलोर से उपस्थित हुए और साथ ही पूर्व न्यायधीश गोपाल गुप्ता, महानगर टाइम्स के संस्थापक डां गोपाल शर्मा , दैनिक नवज्योति के डायरेक्टर हर्ष चौधरी, यूनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्श के GM (महाप्रबंधक मार्केटिंग) हंस राज गंगवाल, न्यू इण्डिया इन्सुरेंस के रीजनल मैनेजर बी सी सेठी एवं ओरिएंटल इन्सुरेंस के रीजनल मैनेजर गौरव नानकानी भी उपस्थित हुए।संगठन रिजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष सवाई सिंह भाटी जी एवं उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में नारायणा अस्पताल के राष्ट्रीय मार्केटिंग प्रमुख डा. विनित सिक्का, फैसिलिटी डायरेक्टर बलविंदर सिंह वालिया व अन्य महत्वपूर्ण अतिथि मौजूद रहे।कार्यक्रम मे संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं राष्ट्रीय सचिव सुधीर गुप्ता एवं राजस्थान रिजन के अध्यक्ष रवींद्र कुमार गौड, रिजन महामंत्री सुनील कुमार शर्मा ने सभी उपस्थित अतिथियो का माला, शाल, साफा व मौमेन्टे देकर स्वागत किया। संगठन ने राजस्थान रिजन की ओर से संगठन के 551 सदस्यो के लिए 5 लाख की ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट पालिसी ली गई जिसका चैक GM गंगवाल को दिया, संगठन के राष्ट्रीय महासचिव ने बताया कि आने वाले समय मे एजेंट्स के लिए काफी बदलाव आ रहे है IRDA बीमा सुगम ला रहा है जो एजेंट्स के लिए नुकसानदायक है। केंद्र सरकार से सभी बीमा प्रीमियम पर GST हटाए जाने मांग कर रहे है।रिजन कोषाध्यक्ष सौरभ गोधा ने बताया कि महासम्मेलन मे जयपुर एवं सीकर,अजमेर, ब्यावर, जोधपुर, उदयपुर, चित्तौड, भीलवाड़ा, अलवर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ आदि जगहो के लगभग 1000 अभिकर्ता साथियों ने हिस्सा लिया ओर आज ही अयोजन स्थल पर ही 100 साथियों ने वार्षिक एवं 40 अभिकर्ताओं ने संगठन की आजीवन सदस्यता ग्रहण की।कार्यक्रम के अंत में संगठन वरिष्ठ उपाध्यक्ष सवाई सिंह भाटी एवं उपाध्याक्ष आलोक श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों एवं अभिकर्ताओ एवं कार्यक्रम में सहयोग करने वाली संस्थाओं का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में मंच संचालन प्रीति सक्सैना ने किया।

तीये की बैठक

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय

श्री अनन्त कुमार जी जैन बैनाडा

(से.नि.सहायक अभियंता जलदाय विभाग)

का आकस्मिक निधन 10 सितंबर 23 को हो गया है, जिनकी तीये की बैठक 12 सितंबर 23 को प्रातः 9:00 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट अग्रवाल फॉर्म पर रखी गई है।

शोकाकुल

सुभित्रा देवी(भाभी), इंद्रा देवी (धर्मपत्नी), ललित-सरिता (भ्राता-भ्राता पत्नी), अतुल-पूर्णिमा, विपिन-सारिका (पुत्र-पुत्रवधू), जिनेन्द्र-माया, दीपक-मेघा, रजत सोनिया (भतीजा-भतीजावधु), मेघा- पवन जी कासलीवाल (पुत्री-दामाद), निर्मला, मंजु-राजेंद्र जी बड़जात्या, हेमा-विनोद जी सौंगानी (बहन-बहनोई), नीलम-सत्येन्द्र जी सोनी, ममता-नीरज जी ओच, मनीषा-अनिल जी कासलीवाल, प्रियंका- दीपक जी छाबड़ा (भतीजी-भतीजी दामाद), मानस, भाषित, मान, नैना (पोत्र-पोत्री), ससुरालपक्ष- शांतिदेवी, नरेंद्र कुमार, वीरेंद्र जैन, देवी पथ, जयपुर।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

मैराथन दौड़ में उमड़ा वैश्य समाज

प्रदेश संयोजक राकेश गुप्ता ने बताया कि मैराथन दौड में भारी संख्या में धावकों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। मैराथन का एक हिस्सा जब राम लीला मैदान पहुंचा, उस समय दूसरा हिस्सा महावीर पब्लिक स्कूल ग्राउंड मे था। मैराथन के सदस्यों के जुम्बा करने के बाद दीपप्रज्वलन किया गया। कमेटी के 15 सदस्यों ने शांति के प्रतीक के तौर पर 2000 गुब्बारे उड़ाए।

@... Page 10

विराट वैश्य महापंचायत को सफल बनाने का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

विराट वैश्य महापंचायत की ओर आयोजित मैराथन दौड़ वैश्य समाज के सभी घटको के सहयोग से ऐतिहासिक रूप से सफल रही। इस आयोजन में युवा, पुरुष, महिला और बुजुर्ग इत्यादि सभी आयुवर्ग के लोगों ने पूरे उत्साह व ऊर्जा के साथ अभूतपूर्व हिस्सा लिया। प्रदेश संयोजक राकेश गुप्ता ने बताया कि मैराथन दौड में भारी संख्या में धावकों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। मैराथन का एक हिस्सा जब राम लीला मैदान पहुंचा, उस समय दूसरा हिस्सा महावीर पब्लिक स्कूल ग्राउंड मे था। मैराथन के सदस्यों के जुम्बा करने के बाद दीपप्रज्वलन किया गया। कमेटी के 15 सदस्यों ने शांति के प्रतीक के तौर पर 2000 गुब्बारे उड़ाए। इसके बाद महोत्सव के अध्यक्ष प्रदीप मित्तल ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। एक जैसी पोशाक पहने 201 महिलाओं ने कलश के साथ दौड़ का स्वागत किया। करीब 400 महिलाएं मैराथन का प्रतिनिधित्व करते हुए कदम ताल के साथ सबसे आगे चल रही थीं। मैराथन के स्वागत के लिए ढोल नगाड़े व बैंड वादकों के साथ साथ सम्पूर्ण वातावरण ही वैश्य एकता जिंदाबाद के नारों से गुंजायमान हो रहा था। मैराथन महावीर स्कूल से शुरू होकर जय क्लब, एम.आई रोड, किशनपोल बाजार, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए रामलीला मैदान पहुंची। मार्ग में जगह जगह समाज के अनेक संगठनों व संस्थाओं ने पुष्प वर्षा की। प्रदेश प्रवक्ता कमल बाबू जैन और विनोद कोटखावादा ने बताया कि जो व्यक्ति पैदल दौड़ में चलने में सक्षम नहीं थे उनके लिए 25 खुली जीप एवं 50 ई-रिक्शाओं की व्यवस्था भी की गई थी। साथ ही रामलीला मैदान पर ही प्रतिभागियों के लिए नाश्ते के पैकेट, पानी की व्यवस्था रखी गई। यहां मशहूर संगीतकार रविन्द्र उपाध्याय के गीतों पर समाजबंधु मस्ती से झूम उठे। इस मौके पर गुप्ता ने वैश्य समाज के सभी घटकों से आह्वान किया कि वैश्य समाज अब जागृत हो चुका है। उसी का आज नजारा यहां देखने को मिला है कि पूरे भारतवर्ष में पहली बार ऐसी विशाल मैराथन रैली निकाली है। इसकी कल्पना उम्मीद से भी परे रही । यह हमारी एकता और संगठन शक्ति का परिचायक है। इसी कड़ी में 17 सितंबर को महापंचायत का आयोजन वीटी रोड मानसरोवर पर होगा। इसमें जयपुर एवं पूरे राजस्थान प्रदेश से लाखों लोगों के आने की उम्मीद है। समारोह अध्यक्ष प्रदीप मित्तल ने समाजबंधुओं का आह्वान करते हुए कहा कि समाज बंधुओ को संगठित हो एकता और समय-समय पर अपनी शक्ति का परिचय देना आवश्यक है । उन्होंने सभी प्रतिभागियों को मंच पर आसीन महानुभावों का एवं दौड़ को सफल बनाने वाले सभी समाजबंधुओ का धन्यवाद दिया। मैराथन दौड़ में प्रमुख रूप से माहेश्वरी समाज के केदार भाला, दिगम्बर जैन समाज से उमराव मल संघी, सुभाष चन्द जैन , प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा,श्वेतांबर जैन समाज से महेन्द्र सिंघवी, खंडेलवाल समाज से डॉ दिनेश सेठी, सुरेश पाटोदिया, चंद्र प्रकाश बटवारा, अग्रवाल समाज से ध्रुवदास अग्रवाल, एन के गुप्ता, गोपाल गुप्ता, विजयवर्गीय समाज से महेश विजयवर्गीय एवं महावर समाज से नरेश गुप्ता पहुंचे। पूर्व विधायक कालीचरण सर्राफ , मोहनलाल गुप्ता, विधायक अशोक लाहोटी, उपमहापोर ग्रेटर पुनीत कर्णावत, भाजपा नेता संजय जैन, पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल, जयपुर समन्वयक प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा,महिला शक्ति में अनुराधा माहेश्वरी, संतोष फतेहपुरिया, शकुंतला विजयवर्गीय सहित कई गणमान्य लोग मंचासीन रहे।

महल योजना जैन मंदिर में हुआ शांति विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जगतपुरा स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर महल योजना में शांति विधान का आयोजन किया गया। मंदिर प्रबंधन कारिणी अध्यक्ष मुकेश संघी ने बताया कि विधान पर विधिपूर्वक मंत्रोच्चार सहित मंडल पर चारों दिशाओं में चार कलश, मुख्य कलश एवम्-अखंड ज्योति प्रज्वलन के पश्चात लोक कल्याण एवं विश्व शांति हेतु भक्ति पूर्वक अर्घ्य समर्पित किए गए। इस अवसर पर डॉक्टर आशीष पायल जैन, पवन कुमार आशिमा जैन, शारदा जैन, श्रीपाल जैन, कियांश, रिदम आदि समाज जन उपस्थित रहे। अर्घ्य वाचन मुकुल बड़जात्या, निर्मला संघी, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की विदुषी छात्राओं द्वारा किया गया।

JMF में कलाकारों को मिला सारंगी अवॉर्ड

जवाहर कला केंद्र में जयपुर म्यूजिक फेस्टिवल का रंगारंग समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर म्यूजिक फेस्टिवल 2023 में पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ और फर्स्ट इंडिया के चैनल हेड जगदीश चंद्रा ने देशभर से जयपुर आए आर्टिस्टों को सम्मानित किया। जयपुर संगीत महाविद्यालय की तरफ से सारंगी अवार्ड 2023 पाने वालों में श्रुति मिश्रा ,सुधाकर दवे, हरीश कुमार कत्थक , निधि बैराठी, करण सिंह चौहान ,रानू शर्मा, प्रशांत अजमेरा, भैरवी जोशी, जितेंद्र राणा, विक्रम राव, पंडित महेंद्र शंकर डांगी, अर्चना सिंह, रीना प्रधान, अंजू शर्मा, प्रीति भार्गव राजीव सिंह, रजनी ग्रोवर, विनीता शर्मा, सोनू कंवर, हसीन वारसी, निष्ठा अग्रवाल भट्ट, और दीपक शर्मा शामिल रहे। जयपुर के जवाहर कला केंद्र में शनिवार और रविवार को दो दिन आयोजित हुए जयपुर म्यूजिक फेस्टिवल में जगदीश चंद्रा ने मुंबई से आई कथक नृत्यांगना भैरवी जोशी का सम्मान करते हुए कहा कि लोक कलाओं से जुड़कर युवा पीढ़ी उन्हें आगे बढ़ने का काम कर रही है यह अच्छी बात है। उन्होंने जयपुर संगीत महाविद्यालय के सारंगी अवार्ड से देशभर से चुनिंदा कलाकारों को सम्मानित करने के इस प्रयास की सराहना की। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जोर्ज जोसेफ ने भी म्यूजिक फेस्टिवल में कलाकारों की प्रस्तुतियां देखी और अंत में प्रसिद्ध नृत्य कलाकार विक्रम राव एवं कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बतौर स्पेशल गेस्ट राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के सीईओ पी आर शर्मा और संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक पांड्या ने भी कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। जवाहर कला केन्द्र में आयोजित इस 2 दिवसीय म्यूजिक फेस्टिवल में कला और संगीत की शानदार शख्शियतों का जमघट लगा है। जयपुर संगीत महाविद्यालय की तरफ की आयोजित जयपुर म्यूजिक फेस्टिवल 2023 के पहले दिन शनिवार को डांस, म्यूजिक और वादन क्षेत्र की एक दर्जन से अधिक कलाकारों ने परफार्मेंस दी।

जैन युवा मंडल राधा निकुंज ने किए चुलगिरी में अभिषेक एवम शांति धारा

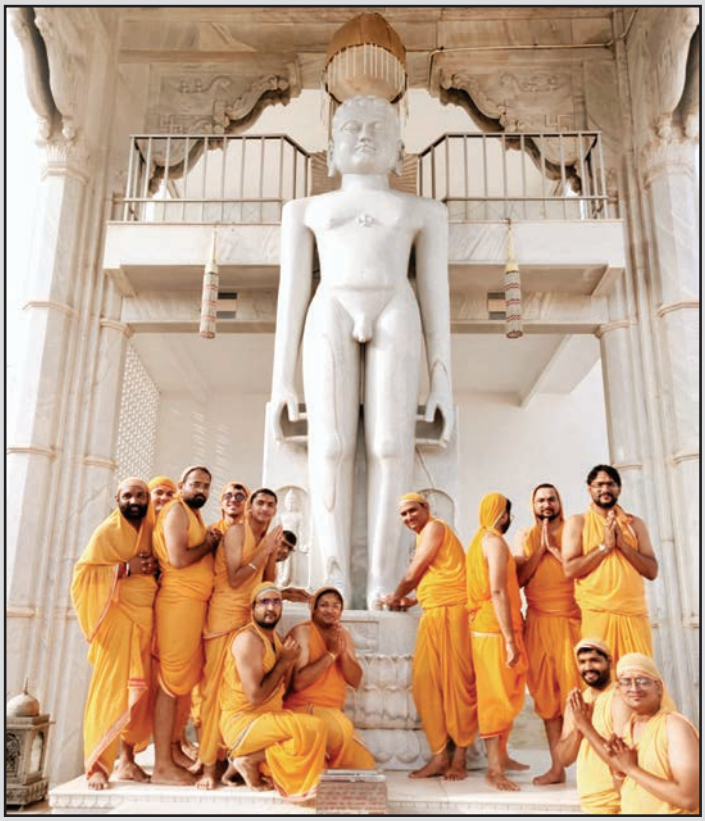

जयपुर. शाबाश इंडिया। युवा मंडल राधा निकुंज ने 10 सितम्बर को चूलगिरी में पारसनाथ भगवान के अभिषेक और शांति धारा करने का सोभाग्य प्राप्त किया। रवि रांवका ने बताया कि इसमें जैन युवा मंडल राधा निकुंज के 30 सदस्यों ने भाग लिया जिसमें युवा मंडल अध्यक्ष अभिषेक जैन, मनीष जैन उमंग जैन, नितेश जैन, कपिल जैन, अंकित जैन,आशीष जैन, सौरभ जैन ,अभिजीत जैन, आशीष जैन आदि सदस्य उपस्थित थे।

संतों की सेवा से उत्तम भोगभूमि की प्राप्ति : गुरु मां विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने धर्मसभा में यात्रीगणों को संबोधन देते हुए कहा कि - जिस प्रकार दूध में घी , बालपने में वृद्धपना एवं बीज में वृक्ष और फल छिपा रहता है । उसी प्रकार भक्ति में भक्ति का फल छिपा होता है । भाव सहित भक्ति करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है। माताजी ने कहा - संतों एवं भगवंतों की सेवा करने से , उनके निकट रहने से पाप कर्म कटते हैं , रोग नष्ट होते हैं और उत्तम भोगभूमि , स्वर्ग मोक्ष प्राप्त होता है। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी के तत्वावधान में श्रीमान राजकुमार जी जैन मालपुरा वाले एवं सन्तोष जी गायत्री नगर जयपुर वालों ने मिलकर श्री 1008 शांतिनाथ महानुष्ठान रचाया । गुरु माँ के सान्निध्य में 120 अर्घ्यों के साथ आहुति देकर विधान का समापन किया गया । विश्वशांति हेतु सभी भक्तों ने शांतिप्रभु के समक्ष शांति मन्त्र का जाप किया । प्रातःकालीन अभिषेक , शान्तिधारा देखने एवं करने हेतु जयपुर , कोटा , झांतला , मालपुरा , टोंक , निवाई , चाकसू वालों ने भाग लिया। शांतिनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य कमल कुमार मालपुरा वालों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरु मां के कर कमलों में शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य चातुर्मास पुण्यार्जक कर्ता परिवार ने प्राप्त किया। इसी दौरान सभी भक्तों ने गुरु मां के पाद प्रक्षालन एवं आहार चर्या संपन्न कराई। जयपुर विवेक विहार समाज ने गुरु मां का वात्सल्य एवं आशीष पाकर स्वयं को धन्य किया। तीर्थ क्षेत्र पर चल रहे विविध प्रकार के आयोजन एवं अनुष्ठानों का लाभ यात्री गणों ने लिया।

बेलनगंज में लगाया गया प्रथम विशाल जांच शिविर

आगरा. शाबाश इंडिया। 10 सितंबर दिन रविवार को श्री आदिवीर वात्सल्य संस्थान बेलनगंज आगरा के के द्वारा आगरा के बेलनगंज स्थित 6/109 पारमार्थिक सेवा केन्द्र पर विशाल प्रथम जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आगरा के अनुभवी प्रतिष्ठित डाक्टरों द्वारा लगभग 150 से अधिक मरीजों के सभी प्रकार के बीमारियों की जाँच मात्र तथा आधुनिक मशीनों द्वारा व पैथकाइड लैब के माध्यम से अनेको मरीजों के सैंपल लिए गये। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र पर दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथियों द्वारा किया गयो इस अवसर पर आये हुए अतिथिजनों द्वारा श्री आदिवार वात्सल्य संस्थान संयोजक व उनके संयोजक गोपीचंद जैन के अथक पुनीत कार्यों की सराहना की तथा भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं। इस कार्यकम की अध्यदाता वरिष्ठ समाजसेवी निर्मल मोठ्या जी ने की तथा संचालन समाजसेवी मुकेश कुशवाह ने कियो इस अवसर पर डा मयूर गुप्ता,डा रोहित जैन, डा०शुभांजलि सेन, डा०विवेक शर्मा,डा अमृता शुत्ता, डा फलकिया समर,प्रियांशु बडजात्या, सुशील जैन,शशिकांत जैन,आशीष सोनी,अशोक कुमार,सौरभ बैनाड़ा, विजय बैनाड़ा ,सचिन पौडार,संदीप पाटनी, गिरीश निगम पूर्व पार्षद दीपक खैरे,पार्षद अनुराग चतुर्वेदी, डॉक्टर अरविन्द जैन होम्योपैथिक आशा सोनी,शशि बैनाडा,संध्या गोधा,राजेन्द्र जैन (एडवोकेट), सहित अनेकों समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **मीडिया संयोजक शुभम जैन**

मैत्री एकता साइकिल रैली संपन्न

महिला मंडल ने किया स्वागत

अजमेर. शाबाश इंडिया। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में रविवार को मैत्री एकता साइकिल रैली निकाली गई । जिला महामंत्री उमेश गर्ग ने बताया कि यह साइकिल रैली अग्रसेन सर्कल से आरंभ होकर बजरंगगढ़ वैशाली नगर होते हुए रीजनल कॉलेज सामने चौपाटी

पर संपूर्ण हुई । मुख्य संयोजक सुनीलदत्त जैन एवं प्रभारी नीरज जैन ने बताया कि मुख्य संरक्षक कालीचरणदास खंडेलवाल झंडी दिखाकर साइकिल रैली का शुभारंभ किया । रैली में प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार और सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए । सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया । अखिल भारतीय विजयवर्गीय महिला मंडल द्वारा प्रदेश अध्यक्ष आभा गांधी के नेतृत्व में अरबन हाट बाजार के बाहर एनर्जी ड्रिंक एवम्-शीतल पेय प्रदान किए गए । पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत किया गया । इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश तापड़िया, श्वेता विजय, राजेंद्र गांधी, हरीश गर्ग, ललित नागरानी, जगदीश विजयवर्गीय सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

माँ बाप इसलिए नही होते है कि हमे उनसे कुछ मिल जाएगा, माँ बाप इसलिए होते है कि हम जो कुछ करेगे उनके पैर छूने से उसमे सफलता मिल जाएगी वो शगुन है, उनको शगुन मानो

आगरा. शाबाश इंडिया। 10 सितंबर को आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में अच्छे और बुरे कार्य से ज्यादा नुकसान नही होता ज्यादा फायदा नही होता। दुनिया मे कोई भी चीज प्रकृति ने बनाई है कितनी ही गंदी क्यों न हो वो तुम्हारा सर्वनाश नही करेगी।कितनी ही अच्छी क्यों न हो वो तो तुम्हे अविनाशी नही बनाएगी। विनाश कौन करता है अविनाशी कौन बनाता है अच्छी वस्तुये या गन्दी वस्तुये,नही। क्यों जीवन मे ऐसे क्षण आते है जिनको तुम चाहते भी नही हो, क्यों नही वो क्षण आते है जिनको तुम चाहते हो। इसका रहस्य हमने कल खोला था। जैसे ही तुम्हें अनुभूति में आये कि मेरे पास प्रकाश है,बस अंधेरे से मत डरना। एक ही बात सोचना ये दीपक न बुझ जाए जो मेरी आत्मा में जला है। भगवान है तो डर कैसा और डर है तो भगवान कहा है। यदि तुम्हे अपनी जिंदगी में कुछ भी डर लग रहा है, मेरी जिंदगी में कुछ भी बुरा हो सकता है समझ लेना आपके पास भगवान नही है आप झूठ और बेइमानी नही कर सकते। पूज्यवर कुन्दकुन्द स्वामी ने कहा तेरे पास भगवान है और उसका थमार्मीटर है तू हर परिस्थिति में निडर है।अग्नि सामने थी और सीता को प्रवेश करना है तब सम्यकदृष्टि कहता है जो बुरा होगा वो मेरे किये हुए कर्म के उदय से होगा और जो अच्छा होगा णमोकार मंत्र की महिमा से होगा,मैं णमोकार मंत्र से विश्वास क्यों हटाऊँ। तुम्हारे पूज्य पुरूष तुम्हारी दृष्टि में कैसे है,क्या आपको लगता है वो महान है,मेरी जिंदगी में बहुत काम के है, मेरी जिंदगी में बहुत शगुन है। उनसे कुछ लेने का भाव नही किया जाता, उनको मात्र दिया जाता है। माँ बाप ने तुम्हे कुछ नही दिया,कभी उलाहना मत देना काय को पैदा किया था, क्या दिया है।